

शराब की बोतलों को चूड़ियों में बदलेगा बहार

प्रलिस के लयः

ग्रामीण आजीविका संवर्धन कार्यक्रम, जीविका (JEEViKA), बहार नषिध और उत्पाद शुलक अधनियम, 2016 ।

मेन्स के लयः

बहार का शराब नषिध और संबंघति मुददे ।

चर्चा में क्यौं?

बहार अपने ग्रामीण आजीविका संवर्धन कार्यक्रम, जसि जीविका के नाम से जाना जाता है, के माध्यम से ज़ब्त शराब की बोतलों से काँच की चूड़ियों बनाने की तैयारी कर रहा है ।

- ये बोतलें जीविका कार्यकर्ताओं को दी जाएँगी, जनिहें चूड़ी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है । कार्यक्रम इसके लयि एक कारखाना स्थापति करेगा ।
- वशि्व बैंक द्वारा वत्ति पोषति, जीविका एक ग्रामीण सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण कार्यक्रम है जो बहार के ग्रामीण वकिस वभिग के अंतरगत है ।

पहल की आर्थिक व्यवहार्यता:

- कुछ लोग ज़ब्त शराब की बोतलों से काँच की चूड़ियों बनाने के सरकार के नए "अभनिव" वधिार की आर्थिक व्यवहार्यता के बारे में आशंकति हैं ।
- यह एक अभनिव वधिार की तरह लग सकता है लेकनि काँच की चूड़ियों को बनाने में चूना पत्थर और सोडा जैसी अन्य सामग्रियों का भी उपयोग कयिा जाता है ।
- फैज़ाबाद, मुंबई और हैदराबाद जैसी जगहों पर कई छोटे और बड़े स्थापति कारखाने हैं जो काँच की चूड़ी बनाने वाले उत्पादों का लगभग 80% हसिसा रखते हैं ।
- ज़ब्त की गई अवैध शराब की बोतलें काँच की चूड़ी बनाने वाली फैक्टरी की आर्थिक व्यवहार्यता को बनाए रखने के लयि पर्याप्त नहीं होंगी ।

बहार शराब नषिध और संबंघति मुददे:

- परचियः
 - 5 अप्रैल 2016 को पेश कयिा गया बहार मद्य नषिध और उत्पाद अधनियम, 2016 ने राज्य में शराब पर पूरण प्रतबिध लगा दिया ।
 - मार्च 2022 में बहार वधिानसभा ने शराबबंदी अधनियम में संशोधन करने वाला एक वधियक पारति कयिा ।
 - बहार नषिध और उत्पाद शुलक (संशोधन) वधियक, 2022 में कहा गया क शराब का सेवन करने वाले लोगों को अब एक मजसि्ट्रेट के समकष जुरमाना भरना होगा और उन्हें जेल नहीं भेजा जाएगा ।
 - पटना उच्च न्यायालय द्वारा ज़िलों और उपखंडों में वशिष कार्यकारी मजसि्ट्रेट के रूप में नामति अधकारियों में न्यायकि शक्ती निहित होने के बारे में अपनी आपत्तव्यक्त करने के बाद संशोधन अभी भी लागू होने की प्रतीक्षा कर रहा है ।
- मुददेः
 - नतीजतन, गरिफ्तारी की पुरानी व्यवस्था जारी है, आबकारी वभिग के आँकड़ों से पता चलता है क सिर्फ अगस्त 2022 में शराब कानूनों का उल्लंघन करने के लयि 30,000 लोगों को गरिफ्तार कयिा गया था ।
 - शराब नषिध नीति कई वविादों का वषिय रही है, उनमें से प्रमुख यह आरोप है कइिन कानून ने राज्य की न्यायकि प्रक्रयिाओं को रोक दिया है ।
 - बहार में शराब कानून के उल्लंघन के कारण जेलों में कैदियों की संख्या बढ़ गई है, उल्लंघन के कारण बहार की जेलों में लगभग 1.5 लाख लोग हैं ।
 - उनमें से ज़्यादातर समाज के नचिले और दलति वर्गों से संबंघति हैं जो जेल से बाहर निकलने के लयि जुरमाना नहीं दे सकते ।

स्रोत: द हट्टि

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bihar-to-turn-liquor-bottles-into-bangles>

